जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 299 प्रभात उदयपुर, शनिवार 5 सितम्बर, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विजय शाह का ऐसा क्या महत्व है?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। मध्य प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने उस फैसले का बचाव करने की तैयारी कर रही है, जिसमें उसने आर्मी ऑफिसर कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में सीनियर कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की विवादित टिप्पणी पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी थी।

कानूनी विशेषज्ञों, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जांच-पड़ताल के बाद, आने वाले दिनों में

- एम.पी. ने सारे घोड़े खोल रखे हैं, विजय शाह के पक्ष में?

राज्य सरकार का जवाब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए जाने की उम्मीद है। इस जवाब का मुख्य आधार पांच बिंदुओं वाला बचाव है, जिसमें बताया गया है कि कैबिनेट क्यों मानती है कि शाह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं।

सरकार का पहला तर्क यह है कि विवादित बयान के बाद विजय शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई व्यक्ति आगे नहीं आया। माना जा रहा है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट को बताएगी कि टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक विवाद के बावजूद, किसी भी निजी शिकायतकर्ता ने मंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग नहीं की।

दूसरा तर्क यह है कि शाह ने अपने बयान में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में भाजपा से बड़ा रोड़ा सहयोगी दल हैं

इण्डिया ब्लॉक के घटक, इस गठबंधन को, मुख्य रूप से भाजपा को पराजित करने का माध्यम तो मानते हैं, पर वे इसे राहुल गांधी को प्र.मंत्री बनाने का जरिया नहीं मानते

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए 7, लोक कल्याण मार्ग (पहले रेस कोर्स रोड) या ज्यादा सही कहें तो, नए भारत में प्रधानमंत्री कार्यालय तक का रास्ता हर गुज़रते साल के साथ थोड़ा और मुश्किल होता जा रहा है।

कांग्रेस लगातार यह बात कह रही है कि 2029 में "इंडिया" गठबंधन की ओर से राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक उम्मीदवार होने चाहिए। फिर भी, इस महत्वाकांक्षा में सबसे बड़ी बाधा शायद भाजपा न हो। हो सकता है कि वे सहयोगी ही बाधा बनें, जिनका समर्थन राहुल गांधी को शीर्ष पद तक पहुँचने के लिए चाहिए होगा।

ताज़ा विवाद तमिलनाडु को लेकर है।

- यह सोच राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में सबसे बड़ा रोड़ा है।
- यह सच है कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस ने काफी मजबूती हासिल की है तथा इस मजबूती की वजह से राहुल को लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद मिला। पर, मजबूत कांग्रेस का सीधा अर्थ यह नहीं होता कि राहुल गांधी विपक्ष के सर्वमान्य प्र.मंत्री उम्मीदवार भी बन गए हैं।
- अंततोगत्वा, इण्डिया ब्लॉक का प्र.मंत्री पद का उम्मीदवार बनना, इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस कितनी सीटें जीतती है तथा चुनाव के बाद भी राजनीतिक सौदेबाजी में उसकी तुलनात्मक स्थिति क्या है?

राज्य में कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

(शेष पृष्ठ 5 पर)

नया नीतीश कुमार कौन होगा?

-जाल खंबातता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। इक्कीस अगस्त से बिहार की राजनीति में हलचल मची हुई है, जब राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा ने राजगीर में अपनी पार्टी के तीन दिवसीय कैंप में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विरासत के बारे में बात की थी।

ऊपर से तो कुछ खास होता नहीं दिख रहा, लेकिन अंदर ही अंदर कुछ पक रहा है: सवाल यह है कि नीतीश की राजनीतिक विरासत का अब क्या होगा,

- उपेन्द्र कुशवाहा ने यह स्थान पाने के लिए काफी तर्कपूर्ण राजनीतिक सोच प्रस्तुत किये।

जब वे राज्य की सक्रिय राजनीति के केन्द्र से हट गए हैं। उस विरासत के लिए मुकाबला अभी खुलकर शुरू नहीं हुआ है। लेकिन उसके लिए दावेदारी होने लगी है।

आरएलएम कैंप में, कुशवाहा ने एक ऐसा नजरिया पेश किया, जिस पर चर्चा होनी ही थी। उन्होंने नीतीश के बारे में और इस बारे में बात की कि नीतीश की विरासत को कौन आगे बढ़ाएगा। उनकी बात उत्तराधिकार का कोई सीधा दावा नहीं थी। फिर भी, इसके राजनीतिक निहितार्थ को नजरअंदाज करना मुश्किल था।

नीतीश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर न रहने के कारण, राजनेता और जनता

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अब हार्पर कॉलिन्स छापेगा सोनिया गांधी की आत्मकथा

जाने-माने प्रकाशक पैन्विन ने पहले यह छापने की घोषणा की थी, पर, कुछ अंशों पर तब्दीली करने की माँग की थी, जो सोनिया गांधी ने स्वीकार नहीं की तथा "डील" रद्द हो गई थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 सितम्बर। हार्पर कॉलिन्स इंडिया 10 नवंबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की यादों पर आधारित किताब "बिलॉंगिंग: अ जर्नी ऑफ़ लव" पब्लिश करेगा।

इस किताब को एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी बताया गया है, जो भारत की यात्रा का एक आंतरिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। अनुमान है कि इसमें युद्ध के बाद के इटली में सोनिया गांधी के बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में उनकी शादी और राजनीति में उनके आने की घटनाओं को कवर किया गया है।

दुनिया भर में पब्लिश होने से पहले ही, इस किताब ने काफी अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है।

शुरुआत में दिलचस्पी दिखाने के बावजूद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया के साथ इस किताब को पब्लिश करने की वार्ता के दौरान "गतिरोध" आ गया था।

- किताब, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारी चर्चित हो गई है, छपने से पहले ही।
- अनुमान है, आत्मकथा में, सोनिया गांधी ने, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की इटली तथा वहाँ उनके बचपन, फिर राजीव गांधी से शादी, उनका नेहरू-गांधी परिवार का हिस्से बनने, राजीव गांधी की हत्या तथा राजनीति में उनके प्रवेश पर काफी विस्तार से लिखा है।

हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 10 नवंबर को पब्लिश करेगा।

हार्पर कॉलिन्स ने एक बयान में कहा, "राजनीतिक संस्मरण "बिलॉंगिंग", जिसका इस समय सबसे ज्यादा इंतजार है, प्यार, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी है, और यह भारत की यात्रा को देखने का एक अनोखा अंदरूनी नज़रिया देती है।"

कांग्रेस नेता की इस बहुप्रतीक्षित किताब के भारत में पब्लिश होने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं।

अमेरिका स्थित विख्यात पब्लिशिंग हाउस, "अल्फ्रेड ए नॉफ़", जो पैन्विन हाउस का एक ब्रांड है, ने कहा था कि यह किताब 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज़ की जाएगी।

इस घोषणा के बाद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि वह किताब को पब्लिश करने के लिए उत्सुक था, लेकिन बातचीत के दौरान "एक खास मुद्दे" पर गतिरोध पैदा हो गया था।

(शेष पृष्ठ 5 पर)